

काश्मीर

की

भूलक

रचयिता

पं० ब्राह्मिकानाथ शर्मा 'कावे'

रामनगर, वाराणसी ।

रंग लई फिर वही, शमशीर, आलमगीर की ।
कातिल, आज भी - तस्वीर की ॥

लिमाना, नक्श दिल तहरीर की ।

प्यारे, यह भूलक कश्मीर की ॥

८११.८
द्वारि/का